मैं बरसाने जाना ऐ मैनूं चढ़ गया राधा रंग

मैं बरसाने जाना ऐ मैनूं चढ़ गया राधा रंग -2

1. मैनूं कुछ न सुझदा ऐ -2
मैं हो गयी मस्त मलंग।
मैं बरसाने जाना....

2. नश्वर काया,नश्वर माया ,नश्वर ऐ संसार-2
बेकदरी बेरहमी दुनिया नहीं किसेदी याद-2
इस दुनियादारी तों-2 ,मैं हो गयी हाँ हुण तंग।
मैं बरसाने जाना....

3. बरसाने दे प्रेमनगर विच,रस दे परे खजाने-2
पगति शक्ति मस्ती मिलदी,मिलदे रसिक दीवाने-2
साधू सेवा पजन बंदगी-2,मिलदा ऐ सत्संग।
मैं बरसाने जाना....

4. ब्रजमण्डल ठकुरानी राधा,ब्रजमण्डल आधार-2
करुणामयी सरकार किशोरी ,करदी सब नाल प्यार-2
हर बाधा हर लेती-2,रहे पागतां दे अंग संग।
मैं बरसाने जाना....

5. दुनिया वालयो दीन "मधुप" नूं ,गल करदे ना टोको -2
तुर पई मैं बरसाने मेरा रस्ता ना कोई रोको-2
बरसाने बस जाणा-2,है एईओ मेरी उमंग।
मैं बरसाने जाना....

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33095/title/main-barsane-jana-ae

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |